

संक्षिप्त खबरें

कुन्हे ने दरवाजा लगाने का विरोध करने पर दम्पति को पीटा

लोकमित्र ब्लॉग
चरवा, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के सिरियावा गांव में मंगलवार की शाम पड़ोसी कुन्हे ने दरवाजा लगाने का विरोध करने पर दम्पति को जमकर पीटा दिया। पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं। शार भास्कर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जाच में जुट गई है।

चरवा क्षेत्र के सिरियावा गांव निवासी सत्यनारायण मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसकी पत्नी सरील देवी के अनुसार घर के सामने उसकी खाली

पड़ोसी युवक पर किशोरी को भगाने का आरोप, केस दर्ज

लोकमित्र ब्लॉग
देकर बताया की 16 आगस्त की रात पड़ोस का एक युवक उसकी 16 वर्षीय बेटी को बहला फूलस्कर भगा ले गया, काफी खोजबान के बाद किशोरी का कहना पता नहीं चला तो किशोरी के पिता ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्यवाही की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है। सदर कावलाली क्षेत्र के भेलखा गांव के रहने वाले अरुण कुमार ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र

बालक को सांप ने डसा, मचा कोहराम

लोकमित्र ब्लॉग
बैरीराम कटरा, कौशाम्बी। नेवादा विकास खण्ड के गाँव इच्छा में बालक को सांप डसने से परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि इन दिनों बसात के मौसूम के कारण अधिकतर खिलोंकों बाहर आ जाने से लोगों के लिए जान का खतरा सावित होने लगा है नेवादा विकास खण्ड के गाँव इच्छा निवासी धीरज पुरु राजू, 12 वर्षीय बुद्धिवाचक सुबह 8 बजे खेत की ओर दीर्घ शका के लिए गया था कि वही पास मौजूद सांप ने डस लिया वही परिवार लेकर इलाज के लिए आ गये इससे उसकी जान बच गयी।

बांगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन 24 को

लोकमित्र ब्लॉग
कौशाम्बी। बांगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के के विरोध में भारत में प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में हिंदू धर्म समर्पित के धर्म विरोध के प्रति किए जा रहे जब्तने तक विवाह और विवाहित विवाहितों को धर्म विरोध के लिए आ गये थे। यह जानकारी विवाह हिंदू परिवर्त के जिला मैदान में विरोध प्रदर्शन को आयोजन किया गया है। इस आयोजन का काढ़ी निंदा की जाएगी साथी अपराधियों के पांच जीवाणु विवाहितों को धर्म विरोध के लिए आयोजित किया गया है।

शादी का झांसा देकर युवक ने युवती के साथ तीन साल तक किया दुष्कर्म

लोकमित्र ब्लॉग
करारी, कौशाम्बी। कौशाम्बी थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ करारी इलाके के एक रिश्तेदार युवक ने शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी का बदल बदल देकर तीन साल तक युवक के बदल बदल देकर तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी की युवती ने युवती के साथ तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी का बदल बदल देकर तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी की युवती के साथ तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी की युवती के साथ तीन साल तक दुष्कर्म किया। युवती ने जब शादी की युवती के साथ तीन साल तक दुष्कर्म किया।

मार-पीट के आरोपी को अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

लोकमित्र ब्लॉग
कौशाम्बी। थाना कोखराज पर पंजीकृत बदल उर्फ राम प्रकाश निवासी मुहरियुर अवान थाना कोखराज को न्यायालय सीजेएम द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर आरोपियों को सजा दिलाने के क्रम में प्रभावी पैरवी करते हुए मानिनिरिंग सेल के माध्यम से आरोपी को 2000 रुपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

चोरी के आरोपी को अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

कौशाम्बी। थाना पिपरो पर पंजीकृत जगदीश प्रताल निवासी गमकुमार तेली के सम्में थाना मुरुंगजं जनपद प्रयागराज को न्यायालय सीजेएम द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर आरोपियों को सजा दिलाने के क्रम में प्रभावी पैरवी करते हुए मानिनिरिंग सेल के माध्यम से आरोपी को न्यायालय उठने तक का कारावास व 3000 रुपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

बुलेट सवार को टक्कर मारने वाले बोलेरो चालक के विरुद्ध केस दर्ज

लोकमित्र ब्लॉग
सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में बोलेरो की टक्कर से बुलेट सवार भाई बहन जख्मी हो गए थे, बुलेट चालक की तहरीर पर सैनी पुलिस ने बोलेरो चालक के विरुद्ध केस दर्ज संजू पुत्र कल्प रिंग 17 अगस्त की शाम अपनी बुलेट बाल्ट के अचल संजू सिंह से अपनी बाल्ट के वैयक्तिक सिराथू से घर जा रहा था, संजू जैसे ही सैनी कल्पेश के बस अड़े के पास पहुंची तभी तेजे रेत पराने बोलेरो चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है। सैनी कल्पेश के रहने वाले सत्यनारायण सिंह उक्त बुलेट चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

पुलिस ने मेले में बंद कराया लाउडस्पीकर और नौटंकी, व्यापारियों ने किया मार्ग जाम

आठ घंटे बंद रहा लाउड स्पीकर और कार्यक्रम, आधे घंटे जाम के बाद हुआ चालू

लोकमित्र ब्लॉग

चायल, कौशाम्बी। स्थानीय कस्बा में लगे पारपरिक दो दिवसीय मेले में बज रहे लाउडस्पीकर और नौटंकी कार्यक्रम को मंगलवार की रात पुलिस ने बंद करा दिया। इससे व्यापार मंडल के लोग नाराज हो गए। नाराज व्यापारियों ने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इससे वाहनों की लम्बी कतरे लग गई। बात बिगड़ी देख क्षेत्राधिकारी ने कार्यक्रम चालू कराया तो जाम हटाया गया।

कस्बे में लगे मेले में मंगलवार की रात बज रहे लाउडस्पीकर में कुछ युवकों ने अराजकता फैलाने का प्रयास किया। जिसे शांत करने के लिए पुलिस को लायिंग भांजनी पड़ी। मामले का बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। घायल पति-पत्नी आरोपियों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जाच में जुट गई है।



कारोबार प्रभावित होने लगा। इससे व्यापार मंडल के लोग नाराज हो गए। वहां उत्तरों से मेला कार्यक्रम शुरू करने की फरियाद मेला के बंद कार्यक्रम और लाउडस्पीकर चालू होने पर व्यापारियों ने जाम हटाया। इस बीच करीब आधे घंटे तक मार्ग को जाम कर कर दिया। जिससे वाहनों की लम्बी कतरे लग गई। जानकारी होने के बाद

सीओ पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। व्यापार मंडल के लोगों से बातचीत किया। इसके बाद करीब आठ घंटे तक अराजक तत्व के लोगों ने अराजकता फैलाने का प्रयास किया था। उन्हें चिन्हित कर पुलिस को कार्यवाही चालैंग देखा गया। इस बीच करीब आधे घंटे तक मार्ग में संघर्ष हो गया।

केसरवाली का कहना है कि भेला ऐतिहासिक एवं पारपरिक है। इससे व्यापारियों का कारोबार जुड़ा है। कुछ अराजक तत्व के लोगों ने अराजकता फैलाने का बाबत नहीं बताया था। उन्हें चिन्हित कर पुलिस को कार्यवाही चालैंग देखा गया। इस बीच करीब आधे घंटे तक मार्ग में संघर्ष हो गया।

कारोबार प्रभावित होने लगा।

रामनगर कोडन निवासी अंकित पाल

पुत्र सूजदीन अपने दादा रामस्वरूप पुत्र छांडा पाल 65 वर्ष के बाईक में भिड़त हो गए, बाईक के जाहाज के अनुसार फतेहपुर जनपद के खाना कोतवाली क्षेत्र के दवना पर निवासी संगीत देवी पत्नी अंजन, बाईक चालक विजय पुत्र शिव दर्शन व फतेहपुर जनपद के हुमैगंज थाना क्षेत्र के पिलखिनी निवासी केशव सिंह पुत्र रुखाज के साथ बाईक में बैठकर इलाज के लिए सिराथू जा रही थी, बाईक चालक विजय जैसे ही अजुहा क्षेत्र के भोला चैराहे के नेशनल हाईवे पर पहुंचा तभी धुमाई गांव शब यात्रा में शामिल होने जारी रहे बाईक चालक के लिए आ गये हैं।

दो बाइकों की भिड़त में चार जख्मी



लोकमित्र ब्लॉग
अ. ज. जैशाम्बै। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अजुहा क्षेत्र के भोला चैराहे के नेशनल हाईवे पर दो बाईकों की भिड़त में दोनों बाईक में सवार चार लोगों की मदद से स्थानीय पुलिस ने घायलों के लिए अजुहा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

मिली जानकारी के अनुसार फतेहपुर जनपद के खाना कोतवाली क्षेत्र के दवना पर निवासी संगीत देवी पत्नी अंजन अपने तीन वर्षीय पुत्र प्रेसो के इलाज के लिए गांव के ही विजय पुत्र शिव दर्शन व फतेहपुर जनपद के हुमैगंज थाना क्षेत्र के पिलखिनी निवासी केशव सिंह पुत्र रुखाज के साथ बाईक में बैठकर इलाज के लिए सिराथू जा रही थी। बाईक चालक विजय जैसे ही अजुहा क्षेत्र के भोला चैराहे के नेशनल हाईवे पर दो बाईकों की भिड़त हो गई, बाईक चालक विजय जैसे ही अजुहा क्षेत्र के भोला चैराहे के नेशनल हाईवे पर पहुंचा तभी धुमाई गांव शब यात्रा में शामिल होने जारी रहे बाईक चालक के लिए आ गये हैं।

दो बाईकों की भिड़त में चार जख्मी

लोकमित्र ब्लॉग
रामनगर कोडन निवासी अंकित पाल पुत्र सूजदीन अपने दादा रामस्वरूप पुत्र छांडा पाल 65 वर्ष के बाईक में भिड़त हो गए, बाईकों की जोड़दर टवर के लिए आ गये हैं। सूचना पिलाई हो गई। अंजन, बाईक चालक व

सम्पादकीय

सम्पादकीय

ਪਿਛੇ ਯੂ ਟਨੰ

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या पिछपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंटी के तहत नियुक्त प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतीशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूर्गामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वचंद शासन करने वाली मोदी सरकार पिछलाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूप कर रही है। पिछले दो सालों में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फविधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंटी के फैसले पर यू टर्न ने यह निकष्ट भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व ईडिंगा गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फविधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंटी मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का गस्ता अपनाना चाहती है।

इंडिया ब्लॉक पार्टियों को एक स्थिर सरकार देने के लिए हाथ मिलाना चाहिए

कल्याणी शंकर

ज मूँ और कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे, जिसमें 90 विधायिकों का चुनाव होगा। अगस्त 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 के निरस्त होने और राज्य के विभाजन के बाद यह पहला चुनाव होगा। नये चुनाव कराने में देरी कई सालों से विवाद का विषय रही है। हालांकि, समय-सीमा तय करने में हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश महत्वपूर्ण था। अब जब चुनावों की घोषणा हो गई है, तो सभी राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है। कश्मीर लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। दोनों देश कश्मीर पर दावा करते हैं, हालांकि वे इसके केवल एक हिस्से पर शासन करते हैं। पाकिस्तान ने इस मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण भी कर दिया है जिसे संयुक्त गण में भी लाया गया है।



कर्णाटक में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के आम चुनाव से 30 अंकों की वृद्धि है। सरकार ने 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 को हटाने और विभाजन के बाद 2022 में परिसीमन अभ्यास पूरा किया। 2022 के परिसीमन के बाद जम्मू और कर्नाटक में विधानसभा सीटें 87 से बढ़कर 114 हो गईं, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कर्नाटक (पीओके) की 24 सीटें शामिल हैं। सीटों में यह वृद्धि संभावित रूप से सत्ता के संतुलन को बदल सकती है और आगामी चुनावों में राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है।

2019 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य को विभाजित करने के फैसले के बाद मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इस फैसले के कारण कश्मीर ने अपना झड़ा, आपराधिक सहिता और संवैधानिक सुरक्षा खो दी। कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर-निवासियों के लिए खुले हैं। चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू-कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है।

गृह मंत्रालय ने बताया कि 2019 में सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या 80 से घटकर 2023 में 33 हो गई है और 2019 में 44 से घटकर 2023 में 12 नागरिकों मौतें हुई हैं। पिछले राज्य चुनाव 2014 में हुए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में उच्च मतदान ने विधानसभा चुनावों को करने के

उत्साह को जन्म दिया है। कश्मीर में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के आम चुनाव से 30 अंकों की वृद्धि है। सरकार ने 2019 में भारत के सर्विधान की धारा 370 को हटाने और विभाजन के बाद 2022 में परिसीमन अभ्यास पूरा किया। 2022 के परिसीमन के बाद जम्मू और कश्मीर में विधानसभा सीटें 87 से बढ़कर 114 हो गईं, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की 24 सीटें शामिल हैं। सीटों में यह वृद्धि सभावित रूप से सत्ता के संतुलन को बदल सकती है और आगामी चुनावों में राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है।

भाजपा ने दावा किया कि धारा 370 को खत्म करने और कश्मीर में उसके बाद लागू की गई नीतियों ने क्षेत्र को बेहतर तरीके से विकसित किया है। जम्मू और कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी। 2024 के लोकसभा चुनावों

में, एनसी और पीडीपी ने पिए से उभार देखा। चुनाव ने उहें अपनी सदस्यता को पुनर्जीवित करने और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को सामने लाने का मौका दिया। हालांकि कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली, लेकिन नेशनल कॉम्प्लेक्स ने तीन में से दो सीटें जीतीं, तथा तीसरी सीट के लिए कड़ी चुनावी घेरा हुई।

इस क्षेत्र में आतंकवाद के इतिहास और चुनाव में धांधली के आरोपों के बाबजूद, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनावों की व्यापक रूप से सराहना की गई। आगामी चुनाव धारा 370 के तहत क्षेत्र के विशेष दर्जे को रद्द करने के बाबत जम्मू और कश्मीर को भारतीय संघ में पूरी तरह से एकीकृत करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का परीक्षण करेगा। यह चुनाव आयोग के लिए भी बिना किसी हिंसक घटना के चुनाव कराने की परीक्षा है। राजनीतिक दलों ने आगामी विधानसभा चुनावों के तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें प्रचार रणनीति, गठबन्ध और उम्मीदवार चयन शामिल हैं। कांग्रेस

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉम्प्रेस ने चुनावों की योजना बनाने के लिए बैठकें की। यदि विधानसभा चुनाव निर्धारित समय पर होते हैं, तो घटाई में नेशनल कॉम्प्रेस और पीडीपी के बीच मुकाबला देखने को मिलता। इसके अलावा, लोकसभा चुनावों के दौरान जिस धूकीकरण और अलगाववादी कथनक ने जोर पकड़ा था, वह विधानसभा चुनावों के दौरान और तेज हो जायेगा। 2014 के जम्मू-कश्मीर चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। 49 दिनों तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा, जब तक कि पीडीपी की महबूबा मुफ्ती को भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री नहीं बना दिया गया। बाद में भाजपा ने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया, जिसके कारण फिर से राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। नवंबर 2018 में विधानसभा भंग कर दी गई और दिसंबर 2018 में राष्ट्रपति शासन पिछे लागू कर दिया गया। तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है। सरकार को यह तय करना होगा कि नरम अलगाववाद से निपटने के लिए कश्मीर घटाई में हस्तक्षेप करना है या चुनाव से पहले पुर्णांग योजना पर विचार करना है। संसदीय चुनावों के दौरान, कांग्रेस और एनसी ने गठबंधन किया था। एनसी ने कश्मीर में तीन सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने जम्मू और उधमपुर में चुनाव लड़ा। इंडिया गठबंधन का हिस्सा पीडीपी को समायोजित नहीं किया गया और उसने नेशनल कॉम्प्रेस के खिलाफ कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस और एनसी एक साथ जा सकते हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी के साथ गठबंधन करना मुश्किल होगा क्योंकि संसदीय चुनाव में दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए थे।

सरोकार

याहुल के दबाव में मोदी सरकार

जा ति सरकार पूछी रु अपमानित करने वाले तो सत्यों से पूछ रहे हैं? क्या सरकारी कर्मचारियों को आएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए? लैटरल एंटी यानी केंद्र सरकार में वरिष्ठ पदों पर अधिकारियों की सीधी नियुक्ति के फैसले पर विवाद उठने के बाद अब केंद्र की एनडीए सरकार ने इस फैसले को वापस लेने का एलान किया है। हाल ही में 17 अगस्त को अखबारों में संघ लोकसभा आयोग ने केंद्र सरकार के भीतर विभिन्न वरिष्ठ पदों पर लैटरल एंटी के जरिए प्रतिभासाली भारतीय नागरिकों की तलाश के लिए एक विज्ञापन जारी किया था। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पद रिक्त हैं। विज्ञापन इन्हीं 45 पदों के लिए था। इससे पहले 2018 में भी तत्कालीन मोदी सरकार ने 57 पदों पर इसी तरह नियुक्तियां की थीं। लेकिन तब भाजपा बहुमत में थी और मनमाने फैसले लेकर उहाँे लागू भी कर देती थी। लेकिन इस बार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद नेन्द्र मोदी को एनडीए के सहयोगियों के कारण हासिल हुआ है, इस वजह से वे

सर्वधान में निहित समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुपूर्ख लैटरल एंटी की जरूरत का आह्वान किया गया, और विशेष रूप से आरक्षण के प्रवाचन का जिक्र किया गया है। यानी अब सरकार अगर लैटरल एंटी लाती है तो उसमें आरक्षण का पालन किया जाएगा। इस पर मैं जितेंद्र सिंह ने निस तरह से प्रधानमंत्री के हवाले से सर्वधान की भावना और आरक्षण की व्यवस्था का जिक्र किया है, वह साफ तौर पर दिखा रहा है कि केंद्र सरकार पर राहुल गांधी का दबाव असर कर रहा है। दरअसल 17 तारीख के विज्ञापन के फैसल बाद ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि यूपीएससी को दरकिनार करने और अनुपूर्चित जाति (एससी), अनुपूर्चित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को आरक्षण से वचित करने के लिए लैटरल एंटी का इस्तेमाल किया जा रहा है। राहुल गांधी ने एक टीवी में यह भी कहा था कि शभाजपा का राम राज्य का विकृत संस्करण सर्वधान को नष्ट करना और बुझनों से आरक्षण छीना चाहता है। कांग्रेस अध्यक्ष मालिकानुरुद्धरण खड़े ने भी इसे आरक्षण को खत्म करने वाला फैसला बताया था।

लाग सदियों से सामाजिक रूप से वर्चत हैं, तो आप योग्यत की तलाश करें कर हैं? श्री त्यागी ने कहा कि ऐसा करके सरकार विषयक को एक मुद्रा तश्तरी में परोस रही एनडीए का विरोध करने वाले लाग इस विज्ञापन का दुरुपयोग करेंगे। गहुल गांधी प्राजिक रूप से वर्चतों के चौपियन बनेंगे। हमें विषय के हाथों में हथियार नहीं देना हिए। वहाँ एनजेपी (रामविलास) अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी कहा कि- किसी भी सरकारी नयुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। इसमें कोई तु-परंतु नहीं है। निजी क्षेत्र में कोई आरक्षण मौजूद नहीं है और आग इसे सरकारी पदों भी लागू नहीं किया गया तो गलत होगा। जब एनडीए के सहयोगियों ने भी इस मुद्रे पर जपा का साथ नहीं दिया तो मोदी सरकार को यह फैसला बापस लेना पड़ा। इसके बाद द्वंद्व मोदी को गठबन्धन धर्म के पालन की नसीहत मिल रही है कि अब उहें मनमाने मनते लेने की जाह महायोगियों से विचार करके आगे बढ़ना चाहिए। दूरअसर यहाँ मुख्य लाल यह नहीं है कि श्री मोदी अपनी मनमानी कब छोड़ें।

लोकमित्र का रंग कवियों के संग

जब भूजल विषाक्त हो जाएगा, तब?



राकेश दुबे

यह वैज्ञानिक रिपोर्ट निश्चित ही चाँकाने वाली है कि सन 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं। तथ्य यह है कि दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथक्की की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है, क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वर्चित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है। एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को स्टीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है। इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की घिलती हुई टेपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता। हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है। यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं। फिर भी, यह आश्वर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है। सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है।

इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ़ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है, या आसीनिक और मैग्नीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी में घुल सकती है। दुनिया में पहले से ही लगभग तीन करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जहां भूजल पीने के पानी के स्थल दिशा-निर्देशों में निर्धारित तापमान से ज्यादा गर्म है। इसका मतलब है कि बिना ट्रीटमेंट के वहां का पानी पीना सुरक्षित नहीं है। आसपास पर्यास आकार के सतही जलाशयों वाली आबादी के लिए भी गर्म भूजल उन प्रमुख कारकों को बदल सकता है जो पानी का मानव उपभोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। 7.7 करोड़ से 18.8 करोड़ लोगों के ऐसे क्षेत्र में रहने का अनुमान है जहां भूजल 2100 तक पीने योग्य मानकों को पूरा नहीं कर पाएगा। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि भूजल की रक्षा के लिए कारबाई करना और भूजल पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए स्थायी समाधान खोजना कितना आवश्यक है। इस बीच, जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मौथिन उत्सर्जन में बृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं। फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्तर्जित कर रहे हैं। इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मौथिन उत्सर्जन बढ़ रहा है। 2020 से इसमें तेजी आई है। यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

राशिफल

 मेष	<p>सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर बाणी का प्रयोग करें। कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।</p>
 वृष	<p>स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें। नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बन्ध में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।</p>
 मिथुन	<p>किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान् के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा। ऋषि पर नियंत्रणरक्षें। नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बन्ध में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।</p>
 कर्क	<p>कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पती के स्वास्थ का ध्यान रखें। आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रमुक्ति रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।</p>
 सिंह	<p>आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रमुक्ति रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को प्रशिक्षण करने की आवश्यकता है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुष्विधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।</p>
 कन्या	<p>समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर ऋणधित न हो। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रमुक्ति रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।</p>

